

CONTENTS

Important Events

Important Events.....1-

- राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र पर वृक्षारोपण पर्व.....
- Swacch Bharat Abiyan.....
- Organized "Sankalp Se Siddhi".....
- Five Days Training programmes organized.....
- फसलों पर कीटनाशकों का कम से कम उपयोग.....
- संस्थान में राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा.....

HRD.....6

- Training attended.....

From Director's Desk.....7

EDITORIAL COMMITTEE

Dr. Gopal Lal
Dr. O.P. Aishwath
Dr. B.K. Mishra
Dr. N.K. Meena
Sh. M.A. Khan

Chairman
Editor
Editor
Editor
Editor

Photographs by: M. A. Khan
G.K. Tripathi

www.nrcss.res.in

भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र पर वृक्षारोपण पर्व

वर्षा ऋतु के आगमन एवं अनुकूल वर्षा के लाभ का दोहन करते हुए दिनांक 4 अगस्त, 2017 को भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र पर वृक्षारोपण पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक, डॉ. गोपाल लाल एवं डॉ. राम सकल सिंह, एन.बी.एस.एस. व एल.यू.पी., के क्षेत्रीय केन्द्र प्रमुख, उदयपुर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर एवं प्रक्षेत्र में गुलमोहर, अशोक, मोल्श्री, नाग चम्पा, चमेली, मोरपंखी, बोगनवेलिया, नीम, साइकस, पाण्डा आदि के वृक्षों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के हेज के पौधे संस्थान के वैज्ञानिक प्रशिक्षण अतिथि गृह के लान के किनारों पर लगाये। गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के नवीन पौधों का रोपण भी किया गया। पौधा रोपण के इस सप्ताह में विभिन्न व्याधियों में काम में आने वाले कुछ औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया जिसमें एलोवेरा, सदाबहार, तुलसी, सीमारूबा, सतवरी, मेहंदी आदि सम्मिलित हैं। इस एक सप्ताह में लगभग 5000 पौधों को लगाया गया है। संस्थान में कार्यरत सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारी एवं सहायक कर्मचारियों ने इस कार्य में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। गत वर्ष एवं इसके पूर्व लगाये गये पौधे भी विकास की ओर अग्रसर होते हुए परिसर को हरा-भरा कर रहे हैं। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के इस काल में वृक्षारोपण कार्य एक सक्षम योगदान है।



निदेशक, डॉ. गोपाल लाल एवं डॉ. राम सकल सिंह, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र, एन.बी.एस.एस. एवं एल.यू.पी., उदयपुर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधरोपण

Important Events

ICAR-NRCSS organized “Sankalp Se Siddhi” and Launched Hindi Magazine “Masala Surabhi”

On 1st September 2017, NRCSS participated in “Sankalp Se Siddhi” movement for doubling farmer income by 2022. NRCSS organized the event with Krishi Vigyan Kendra (KVK), Ajmer. On this occasion Shri Bhupendra Yadav, Honorable Member of Parliament (Rajya Sabha) from, Rajasthan was the chief guest of the function. The function was organized at Padam Bhushan Dr. R.S. Paroda Auditorium, ICAR-NRCSS, Ajmer. On this occasion other dignitaries - Ms. Vandana Nogiya, Zila Pramukh, Ajmer, Shri Ramchandra Choudhary, Chairman, Ajmer Dairy, Dr. Gopal Lal, Director, NRCSS, Dr. V K Sharma, Deputy Director Agriculture, Ajmer, Dr. Dinesh Arora, In-charge, KVK, Ajmer, Dr. Shiv Shankar Heda, Chairman, ADA, Ajmer, Shri Arun Garg, CEO, Ajmer and Shri Dileep Pachar, Pradhan, Pisangan, Ajmer were presented. Dr. Gopal Lal, Director NRCSS spoke detailed about research activities and the work done by NRCSS for doubling farmers’ income. In the beginning Dr. Dinesh Arora initially introduced about the programme and activities of KVK, Ajmer.

Honorable Bhupendra Yadav appreciated the work done by NRCSS and KVK as well as other line departments. He advocated for coordination among all departments to achieve this herculean task. In inauguration of programme he administered the pledge “Sankalp Se Siddhi” to all staff, scientist, officer and farmers who were present on this occasion.

On this occasion a Hindi (Six Monthly) Magazine of the ICAR-NRCSS “Masala Surabhi”, inaugural issue was launched by Chief Guest of the function Shri Bhupendra Yadav Jee. This was magazine’s first issue and will address research and other dimensions related to spices and seed spices to its stakeholders. On this occasion some more books were launched like Indian Journal of Seed Spices January 2017, Vol 1 and booklet on Management of Pest of Seed Spices.

Ms. Vandana Nogiya highlighted the contribution and role of women in doubling farmer’s income by 2022. Shri Ramchandra Choudhary addressed the gathering and detailed about the role of dairy industry and cattle for the region. On behalf of Ajmer collector, Shri Arun Garg, CEO, Ajmer congratulated all, for the function organized and assured for all support for making the movement successful. Dr. V K Sharma stressed upon the rain water harvesting and its importance for increasing crop acreage and productivity. Few progressive farmers were awarded for their good contribution in farming. Dr. DS Bhati gave vote of thanks at the end of the function.



Important Events

Two Five days training programmes on “Good Agricultural Practices for Seed Spices Cultivation” organized

Two five days training programmes on “Good agricultural practices for seed spice cultivation” were organised at NRCSS, Ajmer from 9-13 October and 13 to 17 October, 2017. In first training thirty farmers from Jothwara sub-district of Jaipur and in second training programme another batch of thirty farmers from sub-district Sanganer of Jaipur participated. First training was co-ordinated by Dr. Murlidhar Meena, Dr. N.K. Meena and Sh. Mukesh Vishal and second programme was coordinated by Dr. O.P. Aishwath, Dr. R.D. Meena and Dr. Murlidhar Meena. Lectures covering all the aspects related to seed spice production, right from land preparation, selection of quality seed, seed treatments, good agronomic practices, weed management and intercultural operations, insect and disease management and post-harvest management including marketing and value addition in seed spices were delivered by the experts from this centre and also from outside. Participants were addressed by Dr. S.K. Singh, Director ATARI, Jodhpur on the importance of seed spice cultivation to enhance farmers income. Dr. Gopal Lal, Director NRCSS, also made a speech to participants on the topic how to harvest good yields of seed spices. The open discussion between trainees and experts was held to answer their day to day problems related to seed spice cultivation. At the end of the trainings, quality seeds of spice crops was distributed among the farmers participants, botanical soap solution to promote organic management of pest and diseases and *Trichoderma* biocontrol agent for seed treatments. The trainings were concluded with the feedback of the participants on the importance and utility of the training programmes. The farmers showed their interest in training and they learned the advance techniques of seed spice cultivation.



Important Events

फसलों पर कीटनाशकों का कम से कम उपयोग : सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का सुझाव

माननीय श्री छविलेन्द्र राउल (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अतिरिक्त सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं सचिव भा. कृ. अनु. प. नई दिल्ली द्वारा 16.10.2017 को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, तीबीजी, अजमेर का भ्रमण किया गया। श्री छविलेन्द्र राउल विगत कुछ वर्षों से कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, में अतिरिक्त सचिव एवं भा. कृ. अनु. प. के पद पर कार्य कर रहे हैं एवं अपने सक्रिय योगदान से इसे नवीन ऊंचाईयों पर प्रशस्त करने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. गोपाल लाल, निदेशक, रा. बी. म. अनु. केन्द्र, अजमेर द्वारा सचिव महोदय का स्वागत किया गया एवं केन्द्र द्वारा विगत वर्षों में किये गये अनुसंधान कार्यों एवं उपलब्धियों पर एक प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके अंतर्गत स्थापना पश्चात् केन्द्र द्वारा बीजीय मसाला उत्पादक किसानों एवं अन्य हितधारकों के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों के प्रबंधन, बेहतर उपज एवं उत्पाद के संदर्भ में किये गये कार्यों को प्रस्तुत करते हुए लगभग सभी विधाओं पर प्रकाश डाला। बीजीय मसाला उत्पादकों के लिए जीरा, धनिया, मेथी, सौंफ, अजवायन, कलोजी इत्यादि फसलों के लिए विकसित नई प्रभावकारी किस्मों, उत्पादन से जुड़ी तकनीकियों, प्रसंस्करण हेतु लाभकारी प्रौद्योगिकीयों एवं कीट तथा रोगों के नियंत्रण विधियों का विषय वस्तु भी प्रस्तुत किया। इस केन्द्र द्वारा विकसित 19 किस्मों, सिंचाई विधियों, रोप सामग्री, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल तकनीकियों पर भी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सचिव महोदय ने केन्द्र में चल रहे अनुसंधान कार्य एवं किसान सहयोग की गतिविधियों की सराहना करते हुए बीजीय मसाला उत्पादन एवं गुणवत्ता पर विशेष बल दिया। वर्तमान समय में फसलों पर कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग पर चिंता जताते हुए उन्होंने कृषकों से आवाहन किया कि, फसलों में कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग करें तथा जैविक खेती पर विशेष बल देने का आग्रह किया। उन्होने सभा में उपस्थित प्रशिक्षणरत प्रत्येक किसान से चर्चा करते हुए उनकी समस्याएँ सुनी। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान द्वारा नव निर्मित "मसाला पार्लर" का उद्घाटन भी सचिव महोदय द्वारा किया गया। इस मसाला पार्लर का उद्देश्य स्थानीय लोगों को शुद्ध एवं गुणवत्ता युक्त बीजीय मसाले एवं इनके उत्पादों को समुचित मूल्य पर उपलब्ध करना है। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा पौधों का वृक्षारोपण भी किया गया। सचिव महोदय ने संस्थान द्वारा स्वच्छता एवं उर्जा संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में केन्द्र के निदेशक, डॉ. गोपाल लाल द्वारा उपस्थित सभी आगंतुकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं किसानों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



Important Events

संस्थान में राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा (14- 30 सितम्बर, 2017) मनाया गया

भा. कृ. अनु. प.–राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर (राजस्थान), पर राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा 14 से 30 सितम्बर, 2017 के मध्य मनाया गया। पखवाड़ा का शुभारम्भ 14 सितम्बर 2017 को राजभाषा क्रियान्वयन समिति की बैठक के साथ हुआ जिसमें केंद्र के निदेशक डा. गोपाल लाल ने अध्यक्षता की। इस राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा में कार्यालय में हिन्दी के और अधिक प्रयोग पर सभी लोगो को ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया गया। राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा 2017 के उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र पर राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग हेतु अनेक सुझावों पर चर्चा की गयी। 21 सितम्बर, 2017 को संस्थान में कार्यरत वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों के मध्य उनके प्रतियोगितो का जैसे वाद-विवाद, तत्कालध्आशु भाषण एवं टिप्पणी-लेखन का आयोजन किया गया। दिनांक 23 सितम्बर 2017 को बच्चों की हिन्दी में अभिरुचि हेतु बाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें हिन्दी काव्य पाठ तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई एवं इसी दिन सफल बाल प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरण किया गया।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान दिनांक 23 सितम्बर 2017 को हिन्दी ज्ञान प्रश्न मंच तथा काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इन प्रतियोगिताओ में संस्थान में कार्यरत वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, एवं अनुसंधान अध्येता वर्ग के लोगो ने अधिक संख्या में भाग लिया। डा. गोपाल लाल, निदेशक रा. बी. म. अनु. केंद्र ने संस्थान के सभी लोगो को हिन्दी में कार्य करने के लिए विशेष तौर पर प्रेरित किया तथा मानक वर्तनी के प्रयोग को वैज्ञानिक लेखो में बढावा देने पर बल दिया।



Important Events

डा. बृजेश कुमार मिश्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी ने विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु केन्द्र के निदेशक डा. गोपाल लाल के मार्गदर्शन को रेखांकित करते हुए निर्णायक मण्डल के सदस्यों डा. युगल किशोर शर्मा, डा. शारदा चौधरी तथा श्री एस. पी. महेरिया का विशेष आभार व्यक्त किया। सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये और समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया गया। दिनांक 3 अक्टूबर 2017 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार राशि का वितरण डा. गोपाल लाल, निदेशक भा. कृ. अनु. प.–राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर द्वारा किया गया।



HRD

Training Attended

Sh. Siyaram Meena, STO attended a training/short course on “New Frontiers in Biotic Stresses Management for Doubling Farmers Income” from 11-20 September, 2017 at ICAR-National Institute of Biotic Stress Management, Raipur (Chattisgarh).

Dr. B.K. Mishra, Dr. O.P. Aishwath and Dr. S.S. Meena attended a national conference on “Natural Resource Management for Climate Smart sustainable Agriculture” during 11-13 September, 2017 at Barapani, Shillong.

From the Director's Desk

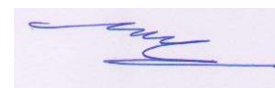
According to the Bureau of Indian Standards, about 63 spices crops are being cultivated in India and the Nation (India) is also known as the spice bowl of the world. Botanically, these spices may be categorized as tree spices, seed spices herbs, rhizomes etc. Among these spices, seed spices play a significant role in the development of rural



economy particularly in the western India as these are generally cultivated by small and medium farmers unlike large area under plantation tree spices. India is producing more than 1.5 million tone of seed spices and exporting several spices and their oducts to more than hundred countries. The net share of Indian spices in the world trade is about 45%. Seed spices use as a whole and looking into increasing world demand for safe food “Good Agriculture Practices” (GAP) and sustainable Agriculture Practices (SAP) should be promoted for production and quality export .

ICAR-NRCSS, is a premier institute under ICAR carrying out basic and strategic research in seed spices crop improvement, plant protection and post harvest management including value addition and quality profiling. The centre is also providing trainings to farmers in collaboration with state Agriculture/Horticulture departments and NGO's.

Various functions organized during the reporting period like tree plantation programme, farmer's training programme and “Sankalp Se Siddhi” are the testimony of the efforts taken towards upliftment of all stakholders of seed spices. Various trainings, conferences were attended and participated by the staff of ICAR-NRCSS, Ajmer, during the periods were also listed. Inauguration of “Spice Parlour” at NRCSS campus by Shri Chhabilendra Raul (IAS), Secretary, ICAR, New Delhi, is a step forward in providing quality spice products to consumers.



(Gopal Lal)